

श्री पार्वती माता की आरती

ॐ जय पार्वती माता मैया जय पार्वती माता ।

ब्रह्म सनातन देवी शुभ फल की दाता ॥

॥ ॐ जय पार्वती माता... ॥

ॐ जय पार्वती माता मैया जय पार्वती माता ।

ब्रह्म सनातन देवी शुभ फल की दाता ॥

॥ ॐ जय पार्वती माता... ॥

अरिकुल पद्म विनाशिनि जय सेवक त्राता ।

जग जीवन जगदम्बा, हरिहर गुण गाता ॥

॥ ॐ जय पार्वती माता... ॥

सिंह का वाहन साजे, कुण्डल है साथी ।

देव बंधू जस गावत, नृत्य करत ताथा ॥

॥ ॐ जय पार्वती माता... ॥

सतयुग रूपशील अतिसुन्दर, नाम सती कहलाता ।

हेमांचल घर जन्मी, सखियन संग राता ॥

॥ ॐ जय पार्वती माता... ॥

शुम्भ निशुम्भ विदारे, हेमांचल स्थाता ।

सहस्र भुजा तनु धरि के, चक्र लियो हाथा ॥

॥ ॐ जय पार्वती माता... ॥

सृष्टि रूप तुही जननी शिवसंग रंगराता ।
नन्दी भृंगी बीन लाही है हाथन मदमाता ॥

॥ ॐ जय पार्वती माता... ॥

देवन अरज करत हम कवचित को लाता ।
गावत दे दे ताली, मन में रंगराता ॥

॥ ॐ जय पार्वती माता... ॥

श्री प्रताप आरती मैया की, जो कोई गाता ।
सदा सुखी नित रहता, सुख सम्पत्ति पाता ॥

॥ ॐ जय पार्वती माता... ॥

ॐ जय पार्वती माता मैया जय पार्वती माता ।

ब्रह्म सनातन देवी शुभ फल की दाता ॥

॥ ॐ जय पार्वती माता... ॥

